ASTRO ARPITA NATH

आपकी जन्म कुंडली के लिए कौन सा रत्न उपयुक्त है

Arpita Nath द्वारा · रत्न ज्योतिष नोट्स · 2026-09-09

वैदिक ज्योतिष (Jyotish) में, रत्न आपके पाश्चात्य सूर्य राशि (Sun sign) के बजाय आपके लग्न (Lagna) के आधार पर चुने जाते हैं। रत्न आपकी कुंडली में क्रियात्मक शुभ (functional benefic) ग्रहों को बल प्रदान करते हैं - वे ग्रह जो प्रथम (स्वयं), पंचम (बुद्धि/भाग्य) और नवम (प्रारब्ध/भाग्य) भाव के स्वामी होते हैं।

अपने लग्न के स्वाभाविक रूप से हानिकारक या "शत्रु" ग्रह का रत्न धारण करने से अवांछित परेशानियां और तनाव उत्पन्न हो सकते हैं, जबकि किसी मित्र ग्रह के स्वामी का रत्न धारण करने से एकाग्रता, स्वास्थ्य और उन्नति की प्राप्ति होती है।

लग्न (Lagna) के अनुसार मुख्य रत्न

नीचे आपके लग्न के अनुसार सबसे सुरक्षित मुख्य रत्नों (महारत्न) का विवरण दिया गया है, साथ ही यह भी बताया गया है कि वे किस ग्रह को बल प्रदान करते हैं।

1. मेष (Mesha)

- **जीवन रत्न (Lagna)**: लाल मूंगा (Moonga) — मंगल को बल देता है (जीवन शक्ति, शारीरिक ऊर्जा, साहस)।
- **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: पुखराज (Pukhraj) — बृहस्पति को बल देता है (भाग्य, ज्ञान, समृद्धि)।

2. वृषभ (Vrishabha)

- **जीवन रत्न (Lagna)**: हीरा (Heera) या ओपल — शुक्र को बल देता है (सामंजस्य, विलासिता, करियर पर ध्यान)।
- **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: नीलम (Neelam) — शनि को बल देता है (अनुशासन, दीर्घकालिक सफलता)।

3. मिथुन (Mithuna)

- **जीवन रत्न (Lagna)**: पन्ना (Panna) — बुध को बल देता है (बुद्धि, व्यापार, संवाद)।
- **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: हीरा (Heera) या श्वेत पुखराज (White Sapphire) — शुक्र को बल देता है (रचनात्मकता, भाग्य, संबंध)।

4. कर्क (Karka)

- **जीवन रत्न (Lagna)**: प्राकृतिक मोती (Moti) — चंद्रमा को बल देता है (भावनात्मक शांति, एकाग्रता, सुकून)।
- **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: पुखराज (Pukhraj) — बृहस्पति को बल देता है (उच्च शिक्षा, कृपा, धन)।

5. सिंह (Simha)

• **जीवन रत्न (Lagna)**: माणिक्य (Manik) — सूर्य को बल देता है (नेतृत्व, जीवन शक्ति, आत्मविश्वास)।

• **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: लाल मूंगा (Moonga) — मंगल को बल देता है (भाग्य, प्रेरणा, सहनशक्ति)।

6. कन्या (Kanya)

• **जीवन रत्न (Lagna)**: पन्ना (Panna) — बुध को बल देता है (विश्लेषणात्मक क्षमता, करियर, स्वास्थ्य)।

• **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: हीरा (Heera) या श्वेत पुखराज (White Sapphire) — शुक्र को बल देता है (समृद्धि, कला, भाग्य)।

7. तुला (Tula)

• **जीवन रत्न (Lagna)**: हीरा (Heera) या ओपल — शुक्र को बल देता है (व्यक्तित्व, आकर्षण, वृद्धि)।

• **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: नीलम (Neelam) — शनि को बल देता है (भाग्य, स्थिरता, एकाग्रता)।

8. वृश्चिक (Vrishchika)

• **जीवन रत्न (Lagna)**: लाल मूंगा (Moonga) — मंगल को बल देता है (शक्ति, सहनशीलता, प्रशासनिक क्षमता)।

• **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: पुखराज (Pukhraj) — बृहस्पति को बल देता है (भाग्य, आध्यात्मिक उन्नति, प्रतिष्ठा)।

9. धनु (Dhanu)

• **जीवन रत्न (Lagna)**: पुखराज (Pukhraj) — बृहस्पति को बल देता है (ज्ञान, स्वास्थ्य, मार्गदर्शन)।

• **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: माणिक्य (Manik) — सूर्य को बल देता है (भाग्य, उच्च प्रतिष्ठा, कृपा)।

10. मकर (Makara)

• **जीवन रत्न (Lagna)**: नीलम (Neelam) — शनि को बल देता है (कार्यशैली, सहनशीलता, एकाग्रता)।

• **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: पन्ना (Panna) — बुध को बल देता है (भाग्य, व्यापार, विश्लेषणात्मक बुद्धि)।

11. कुंभ (Kumbha)

• **जीवन रत्न (Lagna)**: नीलम (Neelam) — शनि को बल देता है (स्पष्टता, दीर्घकालिक स्थिरता)।

• **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: शुक्र के रत्न (हीरा / ओपल) — शुक्र को बल देता है (कुंभ लग्न के लिए सर्वाधिक क्रियात्मक शुभ ग्रह)।

12. मीन (Meena)

• **जीवन रत्न (Lagna)**: पुखराज (Pukhraj) — बृहस्पति को बल देता है (जीवन शक्ति, ज्ञान, पहचान)।

• **भाग्य रत्न (नवम भाव)**: लाल मूंगा (Moonga) — मंगल को बल देता है (भाग्य, सौभाग्य, साहस)।

कोई भी रत्न धारण करने से पहले 4 प्रमुख नियम

1. **अपना लग्न (Lagna) जानें**: रत्न का चयन हमेशा अपनी लग्न कुंडली के आधार पर करें, न कि अपनी पश्चिमी जन्म तिथि/सूर्य राशि (Sun sign) के आधार पर।

2. **शत्रु ग्रहों के रत्न कभी एक साथ न पहनें**: आपस में विरोधी ग्रह समूहों के रत्न कभी भी एक साथ धारण न करें।
• **सूर्य/चंद्र/मंगल/बृहस्पति** समूह के रत्नों को आमतौर पर **शुक्र/शनि/बुध/राहु/केतु** समूह के रत्नों के साथ नहीं पहनना चाहिए, जब तक कि किसी पेशेवर ज्योतिषी द्वारा कुंडली विश्लेषण के आधार पर विशेष सलाह न दी गई हो।

3. **मारक/बाधक भावों के स्वामियों से बचें**: छठे (6th), आठवें (8th) या बारहवें (12th) भाव (रोग, हानि और बाधाओं के दुस्थान भाव) के स्वामियों के रत्न पहनने से बचें, जब तक कि वे आपके लग्नेश (Lagna lord) भी न हों।

4. **पहले हमेशा परीक्षण करें**: विशेष रूप से नीलम (Neelam), गोमेद (Hessonite/Gomed) या लहसुनिया (Cat's Eye/Lahsuniya) जैसे तीव्र प्रभाव वाले रत्नों के लिए, किसी प्रतिकूल प्रभाव की जांच करने के लिए बिना जड़ा हुआ रत्न 3 दिनों तक अपने तकिए के नीचे रखें या अपनी बांह पर बांधकर रखें।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/gemstone-suitability/
ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।